S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

B.A. I Sem.

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्रः प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक : 15

नोटः प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

इकाई–1:	प्रश्न–1	आदिकाल वीरगाथाकाल के साहित्य पर सविस्तार प्रकाश डालिए।	4
	प्रश्न–2	ज्ञानाक्तयी शाखा या संतकाव्य काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों (विशेषताओं) पर सविस्तार प्रकाश डालिए।	
इकाई–2:	प्रश्न–3	नरपति नाल्ह द्वारा रचित 'बीसलदेव रासो' पर सविस्तार प्रकाशा डालिए।	4
	प्रश्न–4	कवि अमीर खुसरों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सविस्तार लेख लिखिए।	
इकाई–3:	प्रश्न–5	निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–	4
		सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार।	
		लोचन अनँत उघाडिया, अनँत दिखावण हार।।	
		राम नाम के पटतरे, देबे को कुछ नाहिं।	
		क्या ले गुर संतोषिए, हौंस रही मन माहिं।।	
	प्रश्न–6	'कबीर कवि ही नहीं, समाज–सुधारक भी थे।' सिद्ध कीजिए।	
इकाई–4:	प्रश्न–7	'बिहारी सतसई नीति, भक्ति और शृंगार की त्रिवेणी है।'स्पष्ट कीजिए।	3
	प्रश्न–8	कवि घनानन्द के व्यक्तित्व और कृत्तित्व पर प्रकाश डालिए।	

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

B.A. III Sem.

विषयः हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्रः प्रयोजनपरक हिन्दी–1

पूर्णांक : 10

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः	प्रश्न–1	प्रयोजनपरक हिन्दी की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।	4
	प्रश्न–2	प्रयोजनपरक हिन्दी के विविध रूप (क्षेत्र) उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।	
खण्ड–खः	प्रश्न–3	संचार को परिभाषित करते हुए संचार की उपयोगिता का विवेचन कीजिए।	3
	प्रश्न–4	श्रव्य–दृश्य मायम में टेलीविजन और फिल्म की भूमिका निर्धारित कीजिए।	
खण्ड–गः	प्रश्न–5	विज्ञापन को परिभाषित करते हुए, इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।	3
	प्रश्न–6	वर्तमान समय में इंटरनेट की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।	

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

B.A. III Sem.

विषयः हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्रः हिन्दी निबंध

पूर्णांक : 10

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 4

प्रेम की भाषा शब्द–रहित है। नेत्रों की कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्द–रहित है। जीवन का तत्त्व भी शब्द से परे है। सच्चा आचरण–प्रभाव, शीत, अचल–स्थिति–संयुक्त आचरण न तो साहित्य के लम्बे व्याख्यानों से गढा जा सकता है, न वेद की श्रुतियों के मीठे उपदेश से न अंजील से, न कुरान से न धर्म चर्चा से न केवल सत्संग से। जीवन के अरण्य में घुसे हुए पुरुष के हृदय पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के यत्न से सुनार के छोटे हथौड़े की मन्द–मन्द चोटों की तरह आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है।

प्रश्न–2 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों की भाषा एवं शैली संबंधी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

खण्ड–खः प्रश्न–3 कुबेरनाथ राय की निबंधकला का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। 3

प्रश्न–4 विद्यानिवास मिश्र के निबंधों में संस्कृति बोध एवं लोक तत्व का विवेचन कीजिए।

खण्ड–गः प्रश्न–5 निबंध के अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा का विस्तारपूर्वक विवेचन कीजिए। 3

प्रश्न–6 प्रमुख निबंधकार– बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायण मिश्र एवं महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबंधों के नाम भाषा एवं शैलीगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

B.A. V Sem.

विषयः हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्रः आधुनिक काव्य–I

पूर्णांक : 10

नोटः प्रत्येक खण्ड में 6 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः प्रश्न–1 निम्नलिखित पद्यावतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए 4

अरूण करुण बिम्ब
यह निर्धूम, भस्म रहित ज्वलन–पिण्ड–
विकल विवर्तनों से
विरल प्रवर्तनों से
श्रमित नमित–सा
पश्चिम के व्योम में है आज निरवलम्ब–सा
आहुतियाँ विश्व की अजस्त्र लुटाता रहा
सतत, सहस्त्र कर–माला से
तेज ओज बल जो वदान्यता कदम्ब–सा

प्रश्न–2 महादेवी वर्मा के काव्य की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–खः प्रश्न–3 आधुनिकता से तात्पर्य बताते हुए आधुनिक हिन्दी कविताओं की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 3

प्रश्न–4 हिन्दी नवजागरण को स्पष्ट करते हुए इसकी पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–गः प्रश्न–5 कवि सुमित्रा नन्दन पंत का कृतित्व एवं व्यक्तित्व का परिचय दीजिए। 3

प्रश्न–6 नागार्जुन और त्रिलोचन का परिचय देते हुए इनके काव्यों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

———

Scanned with OKEN Scanner

S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, JAIPUR (AUTONOMOUS)

असाइनमेंट कार्य, अक्टूबर– 2025

B.A. V Sem.

विषयः हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्रः हिन्दी भाषा व्याकरण और साहित्य सिद्धान्त–I

पूर्णांक : 10

नोटः प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। विद्यार्थियों को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है (प्रत्येक खण्ड में से 1 प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड–कः	प्रश्न–1	हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।	4
	प्रश्न–2	काव्य भाषा के रूप में ब्रजभाषा के विकास पर प्रकाश डालिए।	
खण्ड–खः	प्रश्न–3	हिन्दी और उसकी बोलियों पर विस्तारपूर्वक टिप्पणी कीजिए।	3
	प्रश्न–4	राजस्थानी भाषा समूह (उसकी बोलियों) पर प्रकाश डालिए।	
खण्ड–गः	प्रश्न–5	देवनागरी लिपि के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।	3
	प्रश्न–6	देवनागरी लिपि की विशेषताएँ बताइए।	

———

Scanned with OKEN Scanner